अमर उजाला 26/03/2023

शिक्षा के बदलाव पर रखे विचार

जीएमएन कॉलेज में संगोष्ठी का आयोजन, चिंता भी जताई

संवाद न्यूज एजेंसी

अंबाला। जीएमएन कॉलेज में शनिवार को एक दिवसीय अंतरविषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आईसीईआरटी के तत्वावधान में आयोजन किया। इसकी अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त और नेतृत्व डॉ. राकेश कुमार ने की। संगोष्ठी का विषय सामाजिक विज्ञान, विज्ञान, शिक्षा और मानवीयता के संदर्भ में उभरती चुनौतियां रहा।

संगोष्ठी का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रसिद्ध समाजसेवी जसबीर, प्रबंधक समिति के प्रधान डॉ. गुरदेव सिंह, प्रबंधक समिति सदस्य चरणजीत सिंह सेठी ने किया। संगोष्ठी संयोजक डॉ. राकेश ने संगोष्ठी के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के लगभग 150 विद्वानों ने ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से व्याख्यान और शोध-पत्र प्रस्तुत किए। संगोष्ठी के अंत में महाविद्यालय प्रबंधक समिति के प्रधान डॉ. गुरदेव सिंह और जीएमएन कॉलेज प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त और आर्य कन्या महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अनुपमा आर्य सहित 14 विद्वानों को चाणक्य अवार्ड दिया गया।

कोरोना के समय जैसे एकता दिखानी होगी

इस अवसर पर जसबीर सिंह ने कहा कि इस संगोष्ठी का विषय बहुत ही व्यापक है, जिसमें मानवीयता, कला, सामाजिक विज्ञान, सामाजिक संचार, तकनीकी आदि को शामिल किया गया है। वहीं बीज वक्ता के रूप में बठिंडा स्थित बाबा फरीद कॉलेज मैनेजमैंट व टेक्नॉलोजी के प्राचार्य प्रो. राजेन्द्र कुमार उप्पल ने कहा कि विगत वर्षों में कोरोना महामारी के फैलने पर भारत ने सौहार्द से परिस्थितियों को नियंत्रित किया और पुनः अपने प्रारंभिक स्वरूप को प्राप्त कर पाए। इस संगोष्ठी में चार तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया।

शिक्षा को बताया आदर्श

संगोष्ठी के समापन सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा लोक सेवा आयोग के सदस्य राजेन्द्र कुमार उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल शब्दों का ज्ञान नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा आदर्श है जो लोगों के मध्य विवेक, ज्ञान, कुशलता और दक्षता को स्थापित करने का साधन है।